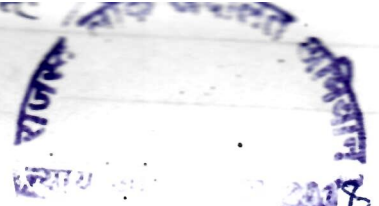
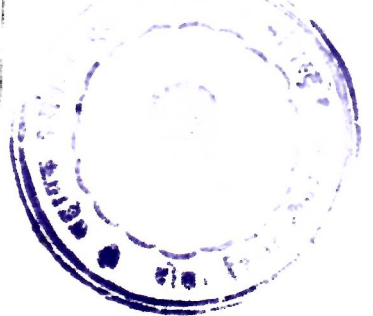


जनरल का ही नहीं मत बदलने
की पालना में दिनांक 3/2/58
का पत्र हो



20648

पत्रावली राजपत्र लोक अदालत के सम्बन्ध में
कुशल में पेश हुई पत्रावली (जो पत्रावली पर
उपरोक्त तिकीट का अतिरिक्त किया गया।
प्राथमिक रूप से अधिकांशतः स्वतन्त्र
इच्छा से निर्धारित है। इस बाद के निर्धारण
तक अदालत में अन्तर्निहित से निर्धारित
विषयों का समाप्ति है। अतः अदालत में
केवल बाद के निर्धारण तक इस सम्बन्ध में निर्धारित
किया जाता है कि राज कुशल तन्मिप के लिये
सं. नं. 1428, 1429 तथा 1430 के अन्तर्गत के
सर्वेक्षण में दस्तावेजों की महीने के अन्तर्गत
पैसल अदा होकर नकल से नकल तथा
बाद तन्मिप अन्तर्गत लेख अदा हो (जो पूरा
बाद के निर्धारण है। निर्णय राजपत्र लोक
अदालत के सम्बन्ध में कुशल के अन्तर्गत
में निम्नवाक्य जो कि निर्णय का है।



Handwritten signature and official stamp at the bottom right of the page.